सम्भव होगा, वह करने का प्रयत्न किया जायेगा । बालोरलोड कमीशन की रिपोर्ट पर चर्चा करने के बारे में भी कहा गया है । मैं निवेदन करना चाहता हूं कि अभी तक इस सदन में दो विषयों पर चर्चा हो चुकी है—एक तो फूड के बारे में और दूसरी राजस्थान के बारे में । अब इस सत्र का एक सप्ताह बाकी है । प्रेजिडेंट के एड्रेस पर जो डिस्कशन चल रही है, उस के लिए करीब सोलह घंटे का समय है । अगर सदन चाहे, तो उस पर सोलह, साढ़े सोलह घंटे चर्चा करे, या उस समय को कम करे । जहां तक मैंने समझा है, इस सदन का ख्याल है कि 7 अप्रैल को यह सत्र बन्द किया जाये और अगला समर सैशन 22 मई को बुलाने का विचार है । मैं श्री बनर्जी और श्री रामसेवक यादव से निवेदन करूंगा कि यद्यपि मैं उन के द्वारा पेश की गई समस्याओं के महत्व को समझता हूं, लेकिन इस वक्त हमारे पास समय की किल्लत है ।

श्री मधु लिमये ने शिक्षा आयोग की रिपोर्ट और केन्द्र तथा प्रदेशों के सम्बन्धों के बारे में चर्चा की मांग की । मैं इस सम्बन्ध में शिक्षा मंत्री जी से सिफारिश करूंगा और श्री मधु लिमये को इस बारे में सूचना दे दूंगा । केन्द्र और राज्यों के सम्बन्धों के सवाल पर भी काफी ध्यान देने की जरूरत है । इस सब बातों पर विचार कर के जो कुछ भी सम्भव होगा, वह किया जायेगा ।

श्री रामसेवक यादव : अध्यक्ष महोदय, उस समय आप स्वयं चेयर में थे, जब कि माननीय सदस्य, डा० लोहिया, और अन्य माननीय सदस्यों ने हीरों के हार का प्रश्न उठाया था । प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि वह इस बारे में जवाब देंगी । इस समय प्रधान मंत्री जी सदन में बैठी हैं । वह इस बारे में जवाब दें और मामले को स्पष्ट कर दें । हिन्दुस्तान टाइम्स इस बारे में न जाने कितना अनर्गल प्रचार कर चुका है ।

डा० राम सुभग सिंह : मैं आपका और इस सदन का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि इस समय सदन के सामने विचारणीय विषय यह है कि अगले सप्ताह सदन में किन किन विषयों पर चर्चा की जाये । इस लिये मैं समझता हूं कि उसमें हमें दूसरी बातों को घसेड़ने का प्रयास नहीं करना चाहिये ।

श्री बलराज मधोक (दक्षिण दिल्ली): अगले सप्ताह में दो तीन दिन तो राष्ट्रपति के अभिभाषण पर होने वाली डीबेट पर लग जायेंगे । हमारा पिछला अनुभव यह है कि हर रोज हमारा बहुत सा समय ऐसी बातों में लग जाता है, जो कि बिजनेस में शामिल नहीं होती है । इस सदन में कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होनी है—दिल्ली का लैंड एक्वीजीशन बिल उन में से एक है—, जिन के लिये हमें समय चाहिए । बाद में कहीं यह न कहा जाय कि चूंकि 7 अप्रैल को हाउस को एडजार्न करना है, इस लिये इन सब बिलों को गिलोटीन किया जायेगा । यह ठीक नहीं होगा । अगर आवश्यक हो, तो सेशन को बढ़ाया जाये, लेकिन इन विधेयकों पर बोलने के लिये आवश्यक समय अवश्य मिलना चाहिये ।

Mr. Speaker: The hon. Minister may look into his suggestion.

12.54 hrs.

Re. POINT OF ORDER

Shri R. K. Sinha: (Faizabad): On a point of order, Sir. I have written to you a letter about it. Yesterday, the sovereignty of the country had been challenged by a Member of this House when a point of secession was raised. I want that some time should be allotted to discuss whether a Member of this House who had taken oath or affirmation to the Constitution can talk of secession. That should be discussed in the House.

Mr. Speaker: You have given it only now. I will consider it.

Shri R. K. Sinha: I should be given time......

Mr. Speaker: There is no guarantee: I will consider it. Shri Hukam Chand Kachhavaiya to continue his speech.

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : पिछली लोक सभा मे ससद-कार्य मंत्री ने आश्वासन दिया था कि . .

Mr. Speaker: No question on this. This item is over. He is to continue his speech on the President's Address.

12.55 hrs.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—*Contd.*

Mr. Speaker: Shri Hukam Chand Kachhavaiya may continue his speech.

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदय, मैं 21 तारीख को यह चर्चा कर रहा था कि हमारे राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में बहुत सी बातों और समस्याओं का उल्लेख नही किया है। इस आम चुनाव में सरकारी मशीनरी और सरकारी पैसे का जिस प्रकार दुरुपयोग किया गया है, मैं उस के कुछ उदाहरण आपके सामने रखना चाहता हूं।

जब 21 जनवरी को प्रधान मंत्री जी का जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश, मे दौरा हुआ, उस समय उनका भाषण सुनने के लिये हजारों की संख्या में लोगों को लाने के लिये सरकारी बसो का उपयोग किया गया। उन लोगों को भाषण सुनने के लिये बिना टिकट बिठा कर लाया गया और बाद में उन्हीं बसों के द्वारा वापस ले जाया नहीं गया।

Mr. Speaker: Some hon. members come to my seat and disturb me here. I am not able to hear the hon. Member speaking. Is this the way? They come and crowd here. What has happened to this House? This is not the way I deal with it. I request the hon. members to give their chits to the Secretary, who will pass them on to me. If they just come here and surround me, it will be impossible for me to function. I will request them with folded hands not to do this. It is wrong.

श्री अ० सिं० सहगल (बिलासपुर) : अध्यक्ष महोदय, आप के प्रेडेसेसर का यह नियम था कि वह किसी भी आनरेबल मेम्बर को वहां नही आने देते थे। इस लिये आप भी यह कायदा बनाइये कि कोई भी मेम्बर वहा न जाने पाए।

अध्यक्ष महोदय : अभी मैंने यहां तो कहा है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं अभी जिक्र कर रहा था कि जब प्रधान मंत्री जी चुनाव के सम्बन्ध में मध्य प्रदेश के क्षेत्र में दौरा कर रही थी, तो किस प्रकार सरकारी मशीनरी का उपयोग किया गया।

आज देश में बढ़ती हुई महंगाई के कारण लोगों के मन में सरकार के प्रति असतोष फैला हुआ है। महंगाई के कारण उन की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। इस बढ़ती हुई महंगाई ने त्योहारों के अवसर पर लोगों की खुशियां भी छीन ली है। महंगाई के कारण लोगों को इतनी कठिनाई का सामना करना पड रहा है कि वे त्योहार के अवसर पर अपने बच्चो को अच्छा खिला और पहना नही सकते उन को ठीक ढंग से घुमा नहीं सकते इस महंगाई से लोगों की कमर टूट गई है।

इस सदन में मध्य प्रदेश की खाद्य समस्या का उल्लेख किया गया है। खाद्य के सम्बन्ध में मध्य प्रदेश के प्रति सरकार की नीति पक्षपातपूर्ण रही है। आज मध्य-प्रदेश में लोग भूखों मर रहे हैं लेकिन केन्द्र